E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR
BA PART 1st ECONOMICS Hons
PAPER 1st

Explanation of Recardian theory with Example -

रिकार्डो ने लगान निर्धारण को एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है। मान लिया जाय लोगों का एक जत्था एक निर्जन टापू पर जाकर बस जाता है और खेती प्रारम्भ करता है। स्वाभाविक है कि यह जत्था सबसे पहले अधिक उपजाऊ भूमि पर खेती करेगा जिसे प्रथम श्रेणी की भूमि अथवा A श्रेणी (Grade A) की भूमि कह सकते हैं। मान लिया जाय कि प्रथम श्रेणी की एक एकड़ भूमि पर श्रम एवं पूँजी को लगाने से 100 रुपये का खर्च होता है और उपज 20 क्विंटल होती है। लेकिन इसी बीच आबादी बढ़ती है तथा प्रथम श्रेणी की भूमि खेती के लिए अपर्याप्त हो जाती है। अतः द्वितीय श्रेणी अथवा B श्रेणी की भूमि पर खेती प्रारम्भ की जाती है जिस पर 100 रुपये का श्रम एवं पूँजी व्यय करने से 15 क्विंटल उपज होती है। इसी प्रकार आबादी एवं खाद्य-पदार्थों की माँग में वृद्धि होने से तृतीय श्रेणी अथवा C श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी अथवा D श्रेणी की भूमि पर क्रमशः खेती की जाती है। तृतीय तथा चतुर्थ श्रेणी की भूमि पर 100 रुपये का श्रम एवं पूँजी खर्च करने से उपज क्रमशः 10 क्विंटल एवं 5 क्विंटल होती है। इस प्रकार इन चार प्रकार की भूमि पर खेती की जाती है। इन पर 100 रुपये का समान व्यय करने पर भी उपज में भिन्नता होती है।

प्रस्तुत उदाहरण में चौथी श्रेणी की भूमि को सीमान्त भूमि (Marginal Land) कहा जायेगा। इस सीमान्त 100 रुपये श्रम तथा पूँजी पर व्यय करने से उपज 5 क्विंटल होती है। अतः उपज का मूल्य

सीमान्त भूमि के उत्पादन व्यय (Cost of Production) के अनुसार निर्धारित होगा यानि यहाँ उपज का मूल्य 20 रुपये क्विंटल होगा। इस प्रकार सीमान्त भूमि की कुल उपज का मूल्य 100 रुपये होगा। स्पष्ट है कि सीमान्त भूमि का कुल व्यय (Total Cost) एवं कुल आय (Total Revenue) दोनों बराबर होते हैं। यहाँ ये दोनों 100 रुपये के बराबर है। लेकिन सीमान्त भूमि के अतिरिक्त प्रथम तीन श्रेणियों की भूमि पर उपज का मूल्य उत्पादन व्यय से अधिक होगा। इस प्रकार सीमान्त भूमि की तुलना में अन्य श्रेणी की भूमियों पर जो उपज अथवा आय का अन्तर होता है वही लगान है। इसे निम्न तालिका से स्पष्ट किया जा सकता है-

भूमि की श्रेणियाँ	उत्पादन व्यय	कुल उपज	लगान
प्रथम श्रेणी की भूमि	100 रुपये	20 क्विंटल	20-5 = 15 क्विंटल
द्वितीय श्रेणी की भूमि	100 रुपये	15 क्विंटल	15-5 = 10 क्विंटल
तृतीय श्रेणी की भूमि	100 रुपये	10 क्विंटल	10-5 = 5 क्विंटल
चतुर्थ श्रेणी की भूमि	100 रुपये	5 क्विंटल	5-5 = कुछ नहीं

प्रस्तुत तालिका से स्पष्ट हो जाता है कि चतुर्थ श्रेणी की भूमि सीमान्त भूमि है। जिसके उत्पादन व्यय के अनुसार उपज का मूल्य 20 रुपये प्रति क्विंटल ~~(100÷5~~ (100÷5=20) निर्धारित होता है।